सामाजिक विज्ञान-2015 (द्वितीय पाली)

समय : 2 Hrs. 45 Minutes] [Full Marks : 80

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : प्रथम पाली देखें।

GROUP-A (HISTORY)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

1. 'गार्डन सीटी' की अवधारणा किसने विकसित की थी ? 1
   (a) एबेनेजर हावर्ड (b) विलियम
   (c) नेपोलियन-III (d) हॉसमान
2. 'गिरमिटिया' किसे कहा जाता है ? 1
   (a) अनुबंधित मजदूर को (b) रोगियों को
   (c) छिपकली को (d) अंग्रेजों को
3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
   अनामी दल का संस्थापक .... था। 1
4 सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
   राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना .... वर्ष में हुई थी। 1
5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   औद्योगीकरण ने मजदूरों की आजीविका को किस तरह प्रभावित किया था ? 3
6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   यूरोपीय इतिहास में 'घेटो' का क्या अर्थ है ? 3
7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   इटली के एकीकरण में मेजिनी का क्या योगदान था ? 3
8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
   अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कैसे हुई ? इसके प्रारंभिक उद्देश्य क्या था? 7
   अथवा, हिन्द-चीन उपनिवेश की स्थापना का उद्देश्य क्या था ?

GROUP-B (GEOGRAPHY)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

9. निम्न में से कौन उपभोक्ता उद्योग है ? 1
   (a) चीनी (b) सीमेन्ट
   (c) अबरक (d) लोहा-इस्पात
10. यूरेनियम के प्रमुख उत्पादक स्थल है- 1
   (a) दिगबोई (b) झरिया
   (c) घाटशिला (d) जादूगोडा
11. सही शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :
   (i) हैच्युर विधि से .... काफी आकर्षक एवं सजीव दिखता है। 1
   (ii) कर्नाटक में .... मुख्य रोपण फसल है। 1
12. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   खनिजों के संरक्षण एवं प्रबन्धन से आप क्या समझते हैं ? 3
13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

चिपको आन्दोलन क्या है ?

14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें : 3

भारतीय रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करें।

15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें : 3

भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण का वर्णन कीजिए।

अथवा, पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए : 7

(क) कॉफी उत्पादक क्षेत्र

(ख) कोयला उत्पादक क्षेत्र

(ग) कोलकाता बन्दरगाह

(घ) जलोढ़ मिट्टी का क्षेत्र

(ङ) चेन्नई।

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए :

बिहार में सूती वस्त्र उद्योग पर विस्तार से लिखें। 7

GROUP–C (POLITICAL SCIENCE)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

16. संघ सरकार का उदाहरण है– 1

(a) अमेरिका (b) ब्रिटेन

(c) चीन (d) इनमें से कोई नहीं

17. यूनाईटेड जनता पार्टी का गठन कब हुआ ? 1

(a) 1992 में (b) 1999 में

(c) 2000 में (d) 2004 में

18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :

परिवारवाद क्या है ? 2

19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :

सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में क्या महत्व रखती है ? 3

20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :

क्या आतंकवाद लोकतंत्र की चुनौती है ? स्पष्ट करें। 3

21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :

नगर निगम की आय के प्रमुख साधनों को बताइए। 7

अथवा, राजनीतिक दल किस प्रकार राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं ?

GROUP–D (ECONOMICS)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

22. भारत में किस राज्य का प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है ? 1

(a) बिहार (b) पंजाब

(c) गोवा (d) हरियाणा

23. किस क्षेत्र को द्वितीयक क्षेत्र कहा जाता है ? 1

(a) सेवा (b) कृषि

(c) उद्योग (d) इनमें से कोई नहीं

24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें : 2

वित्तीय संस्थान से आप क्या समझते हैं ?

http://www.bsebstudy.com

http://www.bsebstudy.com

25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
आर्थिक आधारभूत संरचना का क्या महत्व है ?

26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
राष्ट्रीय आय की गणना में होने वाली कठिनाइयों का वर्णन करें। 3

27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें : 3
मुद्रा के आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालें।

अथवा, सहकारिता के मूल तत्व क्या है ? बिहार के विकास में इसकी भूमिका का वर्णन करें। 7

GROUP–E (DISASTER MANAGEMENT)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में सही विकल्प चुनें :

28. **निम्नांकित में कौन प्राकृतिक आपदा है ?**
(a) आग लगाना (b) बम विस्फोट 1
(c) भूकम्प (d) रासायनिक दुर्घटना

29. **सुनामी का प्रमुख कारण है-** 1
(a) समुद्र में भूकम्प का आना (b) स्थलीय क्षेत्र में भूकम्प आना
(c) पृथ्वी पर भूकम्प आना (d) इनमें से कोई नहीं

30. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
आपदा प्रबंधन के उद्देश्यों की विवेचना करें। 4

उत्तरमाला

GROUP–A (HISTORY)

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

अपनाएँ। वह इसे सरकार के लिए 'सुरक्षा कवच' बनाना चाहते थे। भारतीय इसका उपयोग 'विद्युत-प्रतिरोधक' के रूप में करना चाहते थे। ह्यूम ने लॉर्ड रिपन एवं भारतीय नेताओं से विचार-विमर्श कर 5 दिसंबर, 1885 को इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना की घोषणा की। 28 दिसंबर 1885 को बंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में इसकी स्थापना हुई एवं पहला अधिवेशन हुआ। इसकी अध्यक्षता व्योमेशचंद्र बनर्जी ने की।

कांग्रेस का आरंभिक उद्देश्य था—(i) राष्ट्रहित से जुड़े संगठनों के बीच एकता स्थापित करना; (ii) जातिगत, प्रांतगत तथा धर्मगत विभेदों को मिटाकर राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास करना; (iii) राजनीतिक-सामाजिक प्रश्नों पर प्रमुख नागरिकों एवं शिक्षित वर्ग के मत को अभिव्यक्त करना तथा (iv) संवैधानिक सुधारों के लिए स्मार-पत्र देना।

अथवा, फ्रांसीसी कंपनियों का उद्देश्य—पिछड़े क्षेत्रों को उपनिवेश बनाना होता था। एशिया में फ्रांस को डच एवं ब्रिटिश कंपनियों से तीव्र प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना पड़ रहा था। भारत में वे ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से पिछड़ रहे थे। साथ ही चीन में भी उनकी स्थिति असुरक्षित थी।

हिन्द-चीन क्षेत्र प्रायद्वीपीय क्षेत्र था यह व्यापार एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र था। यह क्षेत्र हिन्द महासागर एवं प्रशांत महासागर के मिलन क्षेत्र पर अवस्थित था। जिसके कारण इस प्रदेश पर नियंत्रण का अर्थ था यूरोप से समुद्री मार्ग द्वारा चीन, जापान, कोरिया एवं ऑस्ट्रेलिया महादेश तक पहुंचने के मार्ग पर नियंत्रण। साथ ही यह क्षेत्र मशाला-लौंग, इलायची, दालचीनी इत्यादि के उत्पादन में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता था। यहां पर श्रम के सस्ता होने के कारण फ्रांसीसी लोग गुलाम बनाकर अन्य उपनिवेशों में भेजना एवं गुलाम व्यापार से आर्थिक लाभ हो रहा था।

व्यापारिक लाभ के अलावा उन्नीसवीं सदी में औद्योगिक क्रांति के कारण उपनिवेशों का महत्व काफी बढ़ गया। वे कच्चा माल के आपूर्तिकर्त्ता के साथ-साथ यूरोपीय उत्पादित वस्तुओं के लिए अच्छा बाजार बन सकते थे। उपनिवेश स्थापना का एक अन्य कारण 'श्वेत लोगों के बोझ का सिद्धांत, (White mens burden theory) था। इसके अंतर्गत विश्व के पिछड़े समाजों को सभ्य बनाने का स्वघोषित दायित्व विकसित यूरोपीय देशों पर था।

GROUP-B (GEOGRAPHY)

9. (क), **10.** (घ)।

11. (i) मानचित्र। (ii) कॉफी।

12. खनिज पदार्थ अशुद्ध अवस्था में खादानों से प्राप्त होते हैं। खनिजों का भंडार सीमित है। अत: अशुद्ध खनिजों का शुद्धिकरण खनिज प्रबंधन कहलाता है। सीमित खनिज भंडारों का योजनाबद्ध तरीके से पीढ़ी दर पीढ़ी उपयोग खनिजों का संरक्षण कहलाता है।

13. 1870 ई. में गढ़वाल के पहाड़ी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड के लोगों ने जंगलों की व्यवसायी कटाई के विरुद्ध एक आन्दोलन चलाया, जो 'चिपको आन्दोलन के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ग्रामीण लोग पेड़ों को कटने से बचाने के लिए उनके साथ चिपक जाते थे। इस आंदोलन का नेतृत्व चण्डी प्रसाद भट्ट और कई महिलाओं ने किया। इस आंदोलन में बहुत सेलोग शामिल होने लगे। इस आंदोलन का प्रभाव भारत के विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ा। इस आंदोलन का सबसे बड़ा प्रभाव यह पड़ा कि 15 वर्षों तक हिमालय वनों की कटाई रोक दी गई।

14. भारतीय रेल परिवहन की विशेषताओं का वर्णन करें।

भारतीय रेल परिवहन की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं—

(i) दो बड़े शहरों एवं महानगरों के बीच तीव्र गति से चलने वाली राजधानी एवं शताब्दी ग्रुप्त.स ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है।

(ii) माल ढुलाई के लिए प्राईवेट कंटेनर एवं वैगन, माल-गाड़ियों में लगाई जा रही है।

(iii) ट्रेनों की दुर्घटना को रोकने के लिए इंजनों में ए. सी. डी. की व्यवस्था की गयी है।

(iv) 1 अगस्त 1947 से रेल मंत्रालय ने रेल यात्री बीमा योजना शुरू की है।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

(v) कोलकाता एवं दिल्ली में मेट्रो रेल के तहत भूमिगत रेल सेवा दी जा रही है।

(vi) गोआ, महाराष्ट्र, केरल एवं कर्नाटक के बीच 760 किमी. लंबी कोंकण रेल परियोजना के तहत रेल चलायी जा रही है। इसी मार्ग पर देश की सबसे लंबी रेल सुरंग 6.5 किमी. रत्नागिरि के निकट है।

(vii) राजस्थान में शाही रेल गाड़ी 'पैलेस ऑन व्हील्स' तथा महाराष्ट्र में डिक्कन ऑडेसी' रेलगाड़ियाँ चलाई जा रही हैं।

(viii) पर्वतीय भागों में स्थित पर्यटक स्थलों तक पहुंचने के लिए तथा मनोरंजनपूर्ण यात्रा के लिए नैरो गेज एवं स्पेशल गेज वाली रेलें चलाई जा रही हैं। इनमें शिमला ऊंटी, माउंट आबू, दार्जिलिंग इत्यादि की रेल सेवाएँ शामिल हैं।

(ix) यह एशिया का सबसे बड़ी और विश्व की तीसरी बड़ी रेल प्रणाली है।

(x) विश्व की सबसे अधिक विद्युतीकृत रेलगाड़ियाँ रूस के बाद भारत में ही चलती हैं।

15. 1818 में वर्तमान कोलकाता के फोर्ट ग्लास्टर नामक स्थान आधुनिक सूती मिल स्थापित की गई थी, परंतु कुछ समय के बाद मिल बंद हो गई। 30-40 साल के बाद फिर से सूती मिलें बनने लगी और इनसे सस्ते और अच्छे सूती वस्त्र बनने लगे। अत:, कह सकते हैं कि सूती वस्त्रों का निर्माण बड़ी-बड़ी मिलों में पिछले डेढ़ सौ वर्षों से जारी हैं। भारतीय पूंजी से पहली मिल 1854 में तब की बंबई नगरी में स्थापित की गई। आज देशभर में 1,600 से अधिक मिले हैं और वे 80 से अधिक नगरों में स्थापित है। जिन चार राज्यों में इनकी संख्या अधिक है उनके नाम हैं—महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल। देश का दो-तिहाई से अधिक सूती वस्त्र महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात तैयार करते हैं। अधिकतर मिलें कताई के काम में लगी हैं। सूती वस्त्र तैयार करनेवाले अन्य राज्यों में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के नाम उल्लेखनीय हैं। अहमदाबाद की शाहपुर मिल 1861 तथा कैलिको मिल 1863 में स्थापित की गई थी। कुटीर और लघु उद्योग के रूप में सूती वस्त्रों का निर्माण करघों पर होता हैं। हथकरघों की अपेक्षा शक्तिचालित करघों की संख्या दक्षिण भारत में अधिक है। वहां जलशक्ति का विकासकर इस उद्योग का विकेंद्रीकरण किया गया है। विकेंद्रीत क्षेत्र में देश का 93% सूती कपड़ा तैयार हो रहा है। सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं—मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, कानपुर, चेन्नई, बड़ोदरा, राजकोट, पोरबंदर, कोयंबटूर, मदुरै, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, नागपुर, शोलापुर, वर्धा, जलगाँव, दिल्ली, बंगलुरू, हैदराबाद, मुर्शिदाबाद, मोदीनगर, सूरत।

अथवा,

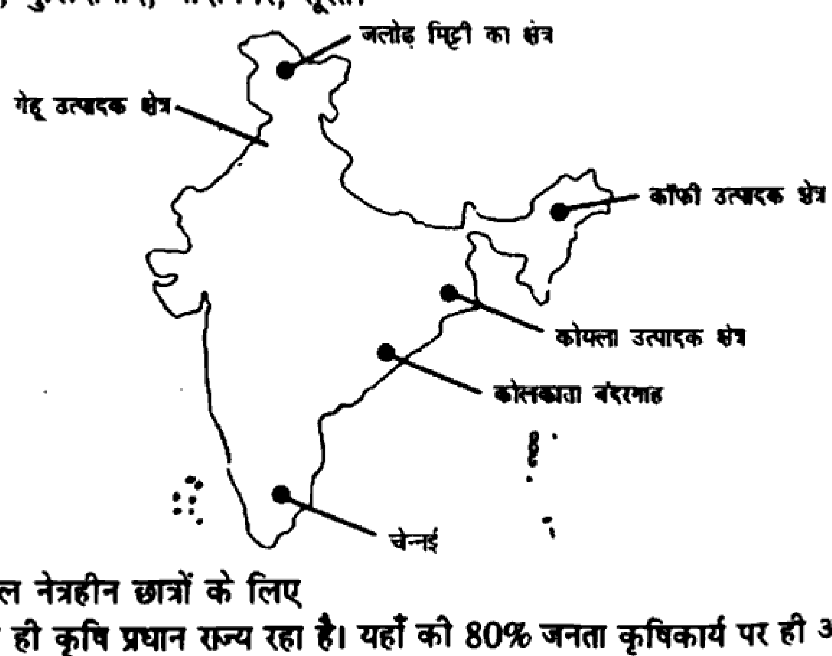

अथवा, केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए

बिहार शुरू से ही कृषि प्रधान राज्य रहा है। यहाँ की 80% जनता कृषिकार्य पर ही आधारित है। यहाँ जूट तथा कपास की खेती भी प्रचुर मात्रा में की जाती है। जूट और कपास सूती वस्त्र

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

का मुख्य कच्चा माल है। कपास के द्वारा लघु कुटीर उद्योग के रूप में निम्न स्तर के लोग अपने घरों में हथकरघा पर सूत कटाई करके कपड़ा बूंदने का कार्य करता है। जिसके द्वारा उच्च कोटि के सूती वस्त्रका उत्पादन किया जा सकता है। सूती वस्त्र बहुत ही आरामदायक होता है। आजकल हथकरघा के जगह नयी-नयी किस्म के आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके सूती वस्त्र तैयार किए जाते हैं। जिसके बहुत ही आकर्षण ढंग के सूती वस्त्र का निर्माण किया जाता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सूती वस्त्र का उत्पादन बिहार में भी अच्छे ढंग से किया जा रहा है।

GROUP–C (POLITICAL SCIENCE)

16. (क), 17. (क)।

18. किसी जनप्रतिनिधि के निधन या इस्तीफे के बाद रिक्त स्थान पर उसके ही किसी परिजन को पदस्थापित करना अथवा चुनाव का टिकट दे देने की स्थिति परिवारवाद के नाम से जानी जाती है।

19. लोकतंत्र में सत्ता में साझेदारी का बहुत महत्व होता है। लोकतंत्र जनता का शासन होता है। जनता अपने प्रतिनिधियों द्वारा शासन में अपनी साझेदारी सुनिश्चित करती है। सत्ता में साझेदारी से विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव की संभावना समाप्त हो जाती है। समाज के सभी लोगों के शासन-व्यवस्था से जुड़े रहने के कारण शासन की कार्यकुशलता बढ़ती है।

20. आतंकवाद या दहशतगर्दी निश्चित तौर पर किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए एक समस्या हैं। आतंकवाद का उद्देश्य जानमाल की क्षति करते हुए जनता के मनोबल को तोड़ना है। जनता द्वारा चुने गये लोकप्रिय सरकार के संबंध में यह संदेश प्रसारित करना कि मुट्ठी भर लोगों के सामने चुनी गयी सरकार विवश हैं। आतंकवादी जब चाहे अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे देते हैं। आतंकी देश की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक ढांचे को प्रभावित करते हैं। आतंकी घटनाओं का राजनीतिकरण होने लगता है। लोकतंत्र प्रभावित होने लगता है। विकास कार्यों में लग जाने वाले पैसों को सुरक्षा में लगाना पड़ता है। अत: आतंकवाद एक चुनौती है।

21. **नगर निगम के आय के प्रमुख साधन**—नगर निगम अपने कार्यों के संचालन के लिए कई प्रकार से आय प्राप्त करती है। नगर निगम अनेक प्रकार के कर वसूल करती है। विभिन्न प्रकार के करों जैसे मकान कर, नल कर, शौचालय कर, पशुओं पर कर छोटे-छोटे वाहनों (मोटर साइकिल, रिक्शा इत्यादि) पर कर लगाकर कर वसूल करती है।

इन करों से इतनी कम राशि प्राप्त होती है कि इससे नगर निगम का कार्य नही चल पाती है। इसकी कमी को पूर्ति करने के लिए राज्य सरकार समय-समय पर आर्थिक अनुदान देकर निगम के वार्षिक बजट की क्षतिपूर्ति करता है। नगर निगम को विभिन्न प्रकार के जलकरों हाटों या अन्य प्रकार के किसी सरकारी वस्तुओं को निलामी करके भी कुछ आय प्राप्त करती है। नगर निगम के देख-रेख में ग्रामीण क्षेत्रों का उचित विकास हो पाता है। तथा जनता को उचित सुविधा प्रदान की जाती है। किसी चीज की कमी महसूस होने पर ग्रामीण जनता नगर निगम को सूचित करती है उसके बाद वह सूचना उपर पहुंचाई जाती है जिसकी तुरत कार्रवाई करके साधनों की पूर्ति की जाती है।

अथवा, किसी भी देश का विकास उस देश के राजनीतिक दलों के कार्यकलापों पर निर्भर करता है। जिस देश के राजनीतिक दल संकीर्ण दृष्टिकोण की जगह व्यापक दृष्टिकोण, सही, स्थिर और सुदृढ़ विचार को गले लगाए रहेंगे उसे राष्ट्र का विकास अवरूद्ध नहीं हो सकता। राजनीतिक दल का ही यह मुख्य कार्य है कि वह जनता को राजनीतिक शिक्षा देकर जागरूक बनाए। किसी राष्ट्र के विकास के लिए जनता में जागरूकता, चेतना, एकता, राजनीतिक स्थिरता होना आवश्यक है। ऐसी स्थिति उत्पन्न करने में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्र के विकास के लिए राजनीतिक स्थिरता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है जिसे राजनीतिक दल ही पूरा कर सकते हैं। राष्ट्रीय विकास के लिए देश में राजनीतिक स्थिरीता के साथ-साथ शांति और

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

अमन-चैन आवश्यक हैं। ऐसी स्थिति बनाए रखना भी राजनीतिक दलों का काम है। राजनीतिक दल जो सत्ता में रहते हैं राष्ट्र के विकास के लिए विभिन्न नीतियों और कानूनों का निर्माण करते हैं। विपक्षी दलों का भी उसमें सहयोग होता है। राजनीतिक दल ही इस बात का प्रयास करते है कि शासन के निर्णयों में अधिक-से-अधिक लोगों की भागीदारी हो। इससे जनता को संतुष्टि मिलती है कि राष्ट्र के विकास में उनका भी योगदान हो रहा है।

GROUP–D (ECONOMICS)

22. (ग), **23.** (ग)।

24. वित्तीय संस्थाएं हमारी आर्थिक संरचना के प्रमुख अंग हैं। इसके विकसित होने पर आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है तथा व्यक्ति या परिवार, व्यावसायिक संस्थान तथा सरकार सभी को वित्तीय सेवाओं की आवश्यकता होती हैं। जिसे वित्तीय संस्था कहा जाता है।

25. आर्थिक संरचना का महत्व सीधे आर्थिक विकास, उत्पादन एवं लोगों की खुशहाली में वृद्धि से हैं। आर्थिक संरचना के अन्तर्गत, ऊर्जा, यातायात, संचार आदि प्रमुख हैं।

26. राष्ट्रीय आय की गणना में होने वाली कठिनाइयाँ निम्नलिखित हैं—

(i) इसमें आँकड़ों को एकत्रित करने में कठिनाई होती है।

(ii) इसमें दोहरी गणना की संभावना बनी रहती है।

(iii) मूल्य को सही-सही मापने में कठिनाई होती है।

अर्थात आय की गणना का सही-सही आँकड़ा नही लग पाता है। कई प्रकार की संस्थाओं द्वारा दोहरा आँकडे भी प्राप्त हो जाते हैं। जिस कारण से राष्ट्रीय आय की सही आँकड़ा नहीं मिल पाती है। http://www.bsebstudy.com

27. मुद्रा के आर्थिक महत्व—आज के जीवन का प्रत्येक क्षण मुद्रा के प्रभाव में है। वर्तमान समाज से यदि मुद्रा को निकाल दिया जाए तो हमारी सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जायेगी। आर्थिक प्रगति का आधार मुद्रा है। अर्थव्यवस्था का स्वरूप चाहे समाजवादी हो, पूंजीवादी या मिश्रित हो सभी में मुद्रा आर्थिक विकास के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रा के आर्थिक महत्व को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ट्रेस्कॉट ने समझा तथा लिखा है—"मुद्रा हमारी अर्थव्यवस्था का हृदय नही तो रक्त का स्रोत जरूर है।" मार्शल में कहा है—मुद्रा वह धुरी (पहिया) है जिके चारों तरफ सम्पूर्ण अर्थ विज्ञान चक्कर लगाता है। क्राउथर के अनुसार—जैसे यंत्र शास्त्र में चक्र, विज्ञान में अग्नि, राजनीति में वोट (Vote) ठीक उसी प्रकार से मनुष्य के आर्थिक विकास में मुद्रा का स्थान है। अतः हम कह सकते हैं कि मुद्रा सबसे उपयोगी आविष्कार है जिस पर सम्पूर्ण व्यवस्था आधारित है।

GROUP–E (DISASTER MANAGEMENT)

28. (ग), **29.** (क)

30. आपदा प्राकृतिक हो या मानवकृत, इसका सीधा असर आम जनजीवन पर पड़ता है। आपदा के कारण धन-जन की व्यापक हानि होती है तथा राष्ट्र का विकास भी दुष्प्रभावित होता है। अतः, यह आवश्यक है कि आपदा का प्रबंधन किया जाए। यह प्रबंधन आपदा-पूर्व एवं आपदा-पश्चात, दो प्रकार का होना चाहिए। आपदा प्रबंधन हेतु व्यवस्था पंचायत स्तर से लेकर प्रखंड, जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक की जानी आवश्यक है।

आपदा प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य यह है कि आपदा से पीड़ित लोगों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ ताकि लोगों को कुछ राहत मिले तथा जानमाल सुरक्षित रह सके।

●●●

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com